Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 9108

PAPER – II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते पन्नास (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति। पत्तेगं पण्हं **दुबे** (2) अंकस्स अत्थि। **सब्बाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति।

1. Apabhramśa is considered as a language of this development stage of Prakrit :
अपभ्रंश प्राकृत भाषा के विकास में इस युग की भाषा है :
अवभंस पाइय भासाए विगासे इमस्स जुगस्स भासा अत्थि :

(A) आधुनिकयुगीन
(B) तृतीययुगीन
(C) प्रथमयुगीन
(D) मध्ययुगीन

2. The word मतन used for मदन in this Prakrit :
'मदन' शब्द के स्थान पर इस प्राकृत में 'मतन' शब्द का प्रयोग होता है :
'मदन' सद्दस्स ठाणे 'मतन' सद्दस्स पयोगो हवदि इमम्मि पाइयं :

(A) मागधी
(B) महाराष्ट्री
(C) पैशाची
(D) अर्धमागधी

3. 'तथा' word changes into 'तधा' in this Prakrit language :
इस प्राकृत भाषा में 'तथा' पद 'तधा' के रूप में परिवर्तित होता है :
'तथा' पदस्स परिवट्टणं 'तधा' रूवेण हवदि इमम्मि पाइय-भासाए :

(A) शौरसेनी
(B) मागधी
(C) पैशाची
(D) ओड्री

4. This is the main characteristic of Māgadhi Prakrit :
मागधी प्राकृत की प्रमुख विशेषता यह है :
मगही पाइय भासाए पमुहं विसिट्ठं अत्थि :
(A) 'त' का 'द' में परिवर्तन
(B) 'र' का 'ल' में परिवर्तन
(C) 'उ' कार बहुलता
(D) यश्रुति का बहुल प्रयोग

5. 'स' changes into 'श' in this Prakrit :
'स' का परिवर्तन 'श' में इस प्राकृत में होता है :
'स' वंजणस्स परिवट्टणं 'श' रूवेण हवदि इमे पाइय-भासाए :
(A) महाराष्ट्री
(B) पैशाची
(C) मागधी
(D) शौरसेनी

6. This is the subject matter of Vasudevahiṇḍi :
वसुदेवहिंडी ग्रंथ का वर्ण्य-विषय यह है :
वसुदेवहिण्डी गंथस्स वण्ण-विसयं इमं अत्थि :
(A) रामकथा
(B) कृष्णकथा
(C) वीरकथा
(D) बुद्धकथा

7. This is the work of Ācārya Puṣpadanta - Bhūtabali :
आचार्य पुष्पदंत-भूतबलि द्वारा लिखित ग्रंथ यह है :
पुप्फदंत-भूदबली-आयरियेहिं लिहिदं गंथमत्थि :
(A) षट्खण्डागम
(B) कषायपाहुड
(C) तिलोयपण्णत्ति
(D) मूलाचार

8. The hero of the epic द्वयाश्रय is :

द्वयाश्रय काव्य का नायक है :

द्वयाश्रय-कव्वस्स णायगो अत्थि :

(A) यशोवर्मा

(B) खारवेल

(C) कुमारपाल

(D) समरादित्य

9. The romantic description of village life is found in this work :

ग्रामीण जीवन का सरस वर्णन इस ग्रंथ में प्राप्त है :

गामीण-जीवणस्स सरस-वण्णणं इमम्मि गंथे पत्तमत्थि :

(A) पउमचरियं

(B) कंसवहो

(C) जंबूचरियं

(D) गाहासत्तसई

10. 'धूर्ताख्यान' belongs to this form of Literature :

'धूर्ताख्यान' इस विधा का ग्रंथ है :

'धूर्ताख्यान' गंथस्स इमा विहा अत्थि :

(A) नाटक

(B) दर्शन

(C) व्यंग्यकथा

(D) कोश

11. This is the Prakrit narrative work :

यह प्राकृत कथा का ग्रंथ है :

इमो पइयकहाए गंथो अत्थि :

(A) अभिधान राजेन्द्र कोश

(B) गाहा-लक्खण

(C) आख्यानमणिकोश

(D) प्राकृत प्रकाश

12. This work mainly deals with renunciation :

यह ग्रंथ वैराग्य प्रधान है :

इमो गंथो वेरग्ग-पहाणो अत्थि :

(A) गोम्मटसार

(B) संवेगरंगशाला

(C) षट्खण्डागम

(D) ठाणांगसूत्र

13. This is the work of Mahākavi Hāla Sātavāhana :

महाकवि हाल सातवाहन का ग्रंथ है :

महाकइ-हाल-सातवाहणस्स गंथो अत्थि :

(A) गाहारयण कोस

(B) गाहासत्तसई

(C) वज्जालग्गं

(D) आणंदसुंदरी

14. This is not a Saṭṭaka text :

यह सट्टक नहीं है :

इमो सट्टगो णत्थि :

(A) रंभामंजरी

(B) कर्पूरमंजरी

(C) कादंबरी

(D) श्रृंगारमंजरी

15. 'णायकुमार चरिउ' was composed by :

'णायकुमार चरिउ' ग्रंथ के रचयिता हैं :

'णायकुमार चरिउ' गंथस्स कवी अत्थि :

(A) पुष्पदंत

(B) हेमचंद्र

(C) शुभचंद्र

(D) कनकामर

16. Karpūramanjarī belongs to this form of Prakrit literature :
कर्पूरमंजरी प्राकृत साहित्य की इस विधा का ग्रंथ है :
कप्पूरमंजरी पाइय-साहिच्चस्स अस्स विहाए गंथो अत्थि :
(A) चंपू
(B) नाटक
(C) काव्य
(D) सट्टक

17. The heroin of Mṛcchakaṭikam drama is :
मृच्छकटिकं नाटक की नायिका यह है :
मृच्छकटिकं-नाडगस्स णाइगा इमा अत्थि :
(A) शकुंतला
(B) मदनिका
(C) वसंतसेना
(D) वासवदत्ता

18. The author of epic Setubandha is :
सेतुबंध महाकाव्य का लेखक है :
सेतुबंध महाकव्वस्स लेहगो अत्थि :
(A) कोऊहल
(B) पवरसेण
(C) कालिदास
(D) जिणसेण

19. The Script of the inscriptions of Girinar of King Ashoka is :
राजा अशोक के गिरिनार अभिलेखों की लिपि है :
असोगरायस्स गिरिनार लेहाणं लिवी अत्थि :
(A) ब्राह्मी
(B) शारदा
(C) गुप्त
(D) उडिया

20. The word 'Bharadhavasa' is found for the first time in this inscription :
'भरधवस' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख इस शिलालेख में प्राप्त है :
'भरधवस' सद्दस्स सव्वपढमो उल्लेहो इमम्मि अहिलेहे अत्थि :

(A) गिरिनार अभिलेख

(B) कालसी अभिलेख

(C) हाथीगुंफा अभिलेख

(D) जौगड अभिलेख

21. The hero of the Hāthīgumpha inscription is :
हाथीगुंफा शिलालेख का नायक है :
हाथीगुंफा-सिलालेहस्स णायगो अत्थि :

(A) सम्राट अशोक

(B) सम्राट विक्रमादित्य

(C) सम्राट समुद्रगुप्त

(D) सम्राट खारवेल

22. This work does not deal with Prakrit Prosody :
यह ग्रंथ प्राकृत छंद विधा का नहीं है :
इमो गंथो पाइय-छंद-विहाए णत्थि :

(A) कविदर्पण

(B) प्राकृतपैंगलं

(C) वसुदेवहिंडी

(D) वृत्तजाति समुच्चय

23. This work belongs to Prakrit lexicon :
यह ग्रंथ प्राकृत कोश विधा का है :
इमो गंथो पाइय-कोस-विहाए अत्थि :

(A) देशीनाममाला

(B) आख्यानमणि कोश

(C) पाइयरयण कोश

(D) कविदर्पण

24. Read the unit I and II for correct match :

प्रथम और द्वितीय समूह के सही मिलान के लिए इनको पढ़िये :

पढम-विय खंडाणं सुट्ठु में णत्थं पढ :

	I		*II*
(a)	उवसग्गहर योत्तं	(i)	छन्द
(b)	देसीनाममाला	(ii)	स्तुति
(c)	सिद्धहैमशब्दानुशासन	(iii)	कोश
(d)	प्राकृत-पैंगलम्	(iv)	व्याकरण

Write the correct answer :

सही उत्तर लिखिए :

सुट्ठु उत्तरं लिह :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

25. Abhidhānacintāmaṇi belongs to this form of Prakrit literature :

अभिधानचिंतामणि प्राकृत साहित्य की इस विधा का ग्रंथ है :

अभिधानचिंतामणि पाइय साहिच्चस्स अस्स विहाए गंथो अत्थि :

(A) कथा

(B) काव्य

(C) नाटक

(D) कोश

26. This is not in use in Prakrit grammar :

प्राकृत व्याकरण में यह प्रयोग नहीं होता है :

पाइय वागरणे इमं पयोगं ण हवदि :

(A) मध्यमपुरूष

(B) विसर्ग

(C) भूतकाल

(D) कृदंत

27. Śauraseni form of the word 'कथयति' is this :

'कथयति' शब्द का शौरसेनी रूप यह होता है :

'कथयति' सद्दस्स सोरसेणी रूवो हवदि :

(A) कहइ

(B) कहेइ

(C) कधेदि

(D) कहति

28. This work is written by Trivikrama :

त्रिविक्रम के द्वारा रचित ग्रंथ यह है :

त्रिविक्रमेण विरचिदो गंथो अत्थि :

(A) प्राकृतरूपावतार

(B) प्रकृत सर्वस्व

(C) षड्भाषाचंद्रिका

(D) प्राकृत शब्दानुशासन

29. Prakrit language belongs to this family of languages :

प्राकृत इस भाषा परिवार की एक भाषा है :

पाइय भासा अस्स भासा-परिवारस्स भासा अत्थि :

(A) भारोपीय

(B) यूरोपीय

(C) सेमेटिक

(D) भारतीय आर्यभाषा

30. The case ending in the word 'वच्छो' is :

'वच्छो' शब्द में यह विभक्ति है :

'वच्छो' सद्दे इमा विहत्ती अत्थि :

(A) द्वितीया

(B) तृतीया

(C) प्रथमा

(D) पंचमी

31. 'लाअण्णं' word is the example of :

'लाअण्णं' शब्द इस लोप का उदाहरण है :

'लाअण्णं' सद्दं अस्स लोवस्स उदाहरणं अत्थि :

(A) आदि व्यंजन लोप

(B) मध्य व्यंजन लोप

(C) अंत्य व्यंजन लोप

(D) सर्व व्यंजन लोप

32. This word is the example of the loss of final consonant :

अन्त्य व्यंजन लोप का उदाहरण यह है :

अंत वंजण लोवस्स उदाहरणं इदं अत्थि :

(A) दिणेसो

(B) रायउलो

(C) मणंसिला

(D) जाव

33. This case is used in the word 'जिणाणं' :

'जिणाणं' पद में यह कारक प्रयुक्त है :

'जिणाणं' पदे इमं कारकं पजुत्तं :

(A) संबंध

(B) संप्रदान

(C) करण

(D) अपादान

34. The word 'Deva' changes into instrumental plural as :

'देव' शब्द का तृतीया विभक्ति के बहुवचन में यह रूप होता है :

'देव' सद्दस्स तइय-विहए बहुवयणे इमं रूवं होदि :

(A) देवत्तो

(B) देवेहि

(C) देवो

(D) देवस्स

35. These substances are described in the Dravya-sangraha text :

द्रव्यसंग्रह ग्रंथ में इन द्रव्यों का विवेचन है :

दव्वसंगहे गंथे इमाणं दव्वाणं विवेयणं अत्थि :

(A) अठ

(B) छह

(C) तीन

(D) चार

36. These are the astikāyas :

ये अस्तिकाय हैं :

इमे अत्थिकाया संति :

(A) जीव, काल, पुण्य, पाप, मोक्ष

(B) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश

(C) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, काल

(D) जीव, अजीव, आस्रव, संवर, निर्जरा

37. These are the works of Ācārya-Nemicandra :

आचार्य नेमिचंद्र द्वारा रचित ग्रंथ ये हैं :

आयरिय-णेमिचंदस्स इमे गंथा संति :

(A) क्षपणासार, समयसार, बास्सअणुवेक्खा

(B) गोम्मटसार, द्रव्यसंग्रह, लब्धिसार

(C) त्रिलोकसार, नियमसार, प्रवचनसार

(D) मूलाचार, रयणसार, पंचास्तिकाय

38. The following Gātha is in this text :

निम्नलिखित यह गाथा इस ग्रंथ में है :

अहोलिहिदा इमा गाहा इमम्मि गंथे अत्थि :

सद्दो बंधे सुहुमो थूलो संठाण भेद तम छाया।
उज्जोदादव सहिया पुग्गलदव्वस्स पज्जाया।।

(A) समयसार

(B) आचारांग सूत्र

(C) गोम्मटसार

(D) द्रव्यसंग्रह

39. The undermentioned gātha is found in this text :

निम्नलिखित गाथा इस ग्रंथ में वर्णित है :

अहोलिहिदा गाहा इमम्मि गंथे वण्णिदा :

आदा णाणपमाणं णाणं णेयपमाणमुद्दिट्ठं।
णेयं लोयालोयं तम्हा णाणं तु सव्वगयं।।

(A) नियमसार

(B) प्रवचनसार

(C) समयसार

(D) गोम्मटसार

40. Chief Ācārya of the आगम वाचना held at Valabhi is :

वलभी आगम वाचना के प्रमुख आचार्य यह हैं :

वलही-आगम-वायणाए पमुह आयरियो इमो अत्थि :

(A) भद्रबाहु

(B) कुंदकुंद

(C) स्थूलभद्र

(D) देवर्द्धिगणि

41. This was the council for the redaction of canons held at Pāṭaliputra :
पाटलिपुत्र नगर में आयोजित आगमवाचना यह थी :
पाडलिपुत्ते नयरे आयोजिता आगम वायणा इमा अत्थि :

(A) प्रथम

(B) तृतीय

(C) द्वितीय

(D) चतुर्थ

42. This text belongs to Ardhamāgadhi language :
यह अर्धमागधी भाषा का ग्रंथ है :
इमो अद्धमगही भासए गंथो अत्थि :

(A) पासणाहचरिउ

(B) अर्धकथानक

(C) दशवैकालिकसूत्र

(D) पवयणसारो

43. 'Namipavajja' is one of the chapters of this work :
'नमिपवज्जा' इस ग्रंथ का एक अध्याय है :
'नमिपवज्जा' अस्स गंथस्स अज्झयणं अत्थि :

(A) आचारांगसूत्र

(B) सूत्रकृतांगसूत्र

(C) उत्तराध्ययनसूत्र

(D) विपाकसूत्र

44. This is the work of Siddhasenācārya :
सिद्धसेनाचार्य का ग्रंथ यह है :
सिद्धसेन-आचरियस्स इमो गंथो अत्थि :

(A) सन्मति-तर्क-प्रकरण

(B) नयचक्र

(C) मूलाराधना

(D) जीवविचार-प्रकरण

45. 'Viyāha-Paṇṇatti' is also known as by this name :
'वियाह-पण्णत्ति' इस नाम से भी जाना जाता है :
'वियाह-पण्णत्ति' इमेण णामेण वि जाणिज्जइ :
(A) भगवतीसूत्र
(B) भगवती-आराधना
(C) स्थानांग सूत्र
(D) अनुयोगद्वार सूत्र

46. The Kuvalayamāla is composed in this century :
कुवलयमाला इस शताब्दी में लिखी गई थी :
कुवलयमाला गंथस्स रयणाकालो अत्थि :
(A) तृतीय सदी
(B) पंचम सदी
(C) आठवीं सदी
(D) दसवीं सदी

47. 'सत्तपरिण्णा' chapter belongs to this text :
'सत्तपरिण्णा' इस ग्रंथ का अध्याय है :
'सत्तपरिण्णा' इमस्स गंथस्स अज्झयणं अत्थि :
(A) सूत्रकृतांगसूत्र
(B) प्रवचनसार
(C) आचारांग सूत्र
(D) समवायांग सूत्र

48. The first chapter of उत्तराध्ययनसूत्र is :
उत्तराध्ययनसूत्र का प्रथम अध्याय यह है :
उत्तरज्झयणसुत्तस्स पढमो अज्झयणं इमं अत्थि :
(A) विणयसुयं
(B) नमिपवज्जा
(C) लोगविजय
(D) णाणाहियार

49. Sandhi of a/ā + i/ī in Prakrit language becomes as :

प्राकृत भाषा में अ/आ + इ/ई की संधि होती है :

पाइय भासए अ/आ + इ/ई सराणं संधि होदि :

(A) ओ

(B) ऐ

(C) उ

(D) ए

50. The meaning of 'सत्तपरिण्णा' is :

'सत्तपरिण्णा' का अर्थ है :

'सत्तपरिण्णा' सद्दस्स अत्थो अत्थि :

(A) समता की प्राप्ति

(B) शास्त्र का पठण

(C) शस्त्र का ज्ञान

(D) हिंसा के साधनों का ज्ञान

- o O o -

Space For Rough Work